प्रेस विज्ञप्ति

3 फरवरी 2022 : नई दिल्ली

एशियाई खेलों तक सानिया, अंकिता, रोहन और रामकुमार टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

3 फरवरी : नई दिल्ली, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, अंकिता रैना, रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन को इस साल के अंत में हांग्जो में एशियाई खेलों को ध्यान में रखते हुए युवा मामले और खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के तहत सहायता के लिए एथलीटों के कोर समूह में शामिल किया गया है।

मंत्रालय के मिशन ओलिंपिक प्रकोष्ठ की आज हुई बैठक में अखिल भारतीय टेनिस संघ द्वारा युगल पदक की संभावना के रूप में चार खिलाड़ियों को प्रस्तुत करने के बाद टेनिस खिलाड़ियों को टॉप्स के तहत सहायता के लिए चुना गया।

एमओसी ने भी किशोर तीरंदाज मंजिरी अलोन को रिकर्व बो सेट खरीदने में मदद करने के लिए 3.62 लाख रूपये अनुमोदित किए। उन्होंने पिछले अगस्त में पोलैंड के व्रोकला में 2021 विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के नंदगांव खंडेश्वर में रहने वाले तीरंदाज जनवरी 2022 में एनटीपीसी सब-जूनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे।

एमओसी ने पिस्टल निशानेबाज सिंहराज अधाना, जिन्होंने पिछले साल टोक्यो में पैरालंपिक खेलों में रजत और कांस्य जीता था, 10 फरवरी से 25 मार्च तक डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में रहने और प्रशिक्षण के लिए लगभग 4.31 लाख के प्रस्ताव को मंजूरी दी। लागत में 25 मीटर और 50 मीटर स्पर्धाओं के लिए गोला-बारूद के लिए 2.26 लाख रुपये भी शामिल हैं।

सिंहराज अधाना का प्रस्ताव एमओसी के निर्णय के अनुरूप था जिसमें एथलीटों को एक छोटी अवधि के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में रहने और प्रशिक्षण देने की अनुमति दी गई थी। तुगलकाबाद रेंज में मनीष नरवाल के साथ पहले से मौजूद प्रशिक्षक जेपी नौटियाल को सिंहराज अधाना की मदद के लिए 10 दिन तक रहने की अवधि को बढ़ाया जाएगा।

स्कीट शूटर गुरजोत सिंह के लगभग 2.68 लाख रुपये के गोला-बारूद और मिट्टी के लक्ष्य (क्ले टारगेट) के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी, साथ ही किशोर एयर राइफल शूटर रुद्रांक्ष पाटिल के लगभग 1.03 लाख रुपये के उपकरण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

मंत्रालय मुख्य रूप से प्रत्येक राष्ट्रीय खेल संघ के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता (एसीटीसी) के वार्षिक कैलेंडर के तहत उत्कृष्ट एथलीटों का सहायता प्रदान करता है। टॉप्स उन क्षेत्रों में एथलीटों को अनुकूलित सहायता प्रदान करता है जो एसीटीसी के अंतर्गत नहीं आते हैं और एथलीटों की अप्रत्याशित जरूरतों को पूरा करता है क्योंकि वे ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तैयारी करते हैं।

ईओएम